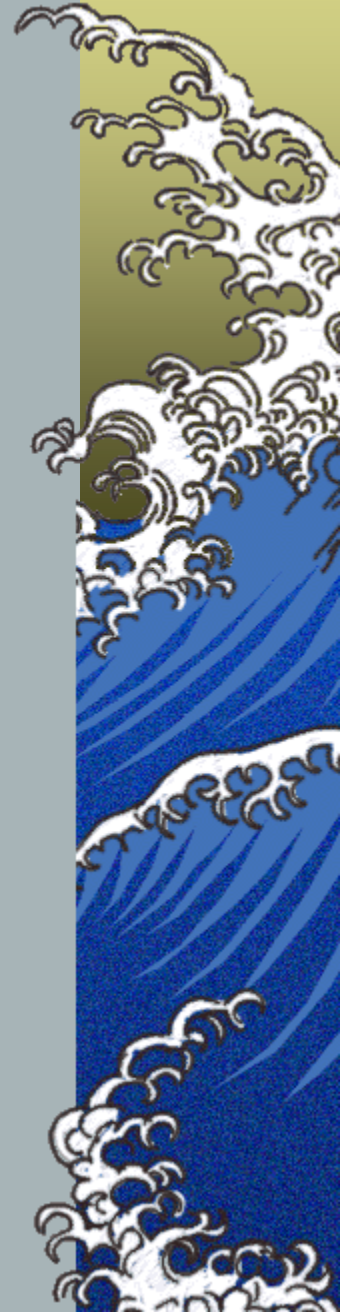


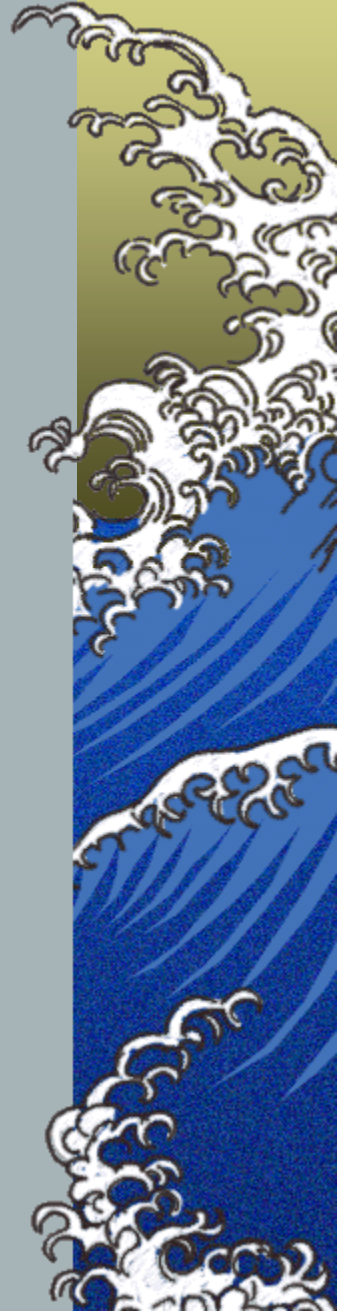
मानवाधिकार क्या हैं?

- वे अधिकार जो हर मनुष्य को प्राप्त होते हैं और जन्म से ही एक मनुष्य के रूप में वह उनका हकदार होता है।
- ये अधिकार नागरिकता, राष्ट्रियता, नस्ल, जाति, भाशा, लिंग, यौनिकता अथवा योग्यता से परे हैं।
- सभी मनुष्यों का जन्म लेने का अधिकार इस मौलिक सिद्धांत पर आधारित है कि सभी व्यक्तियों को मानवीय सम्मान विरासत में प्राप्त है।
- सामाजिक न्याय और सभी व्यक्तियों के सम्मान को बढ़ावा देने का ताकतवर हथियार।



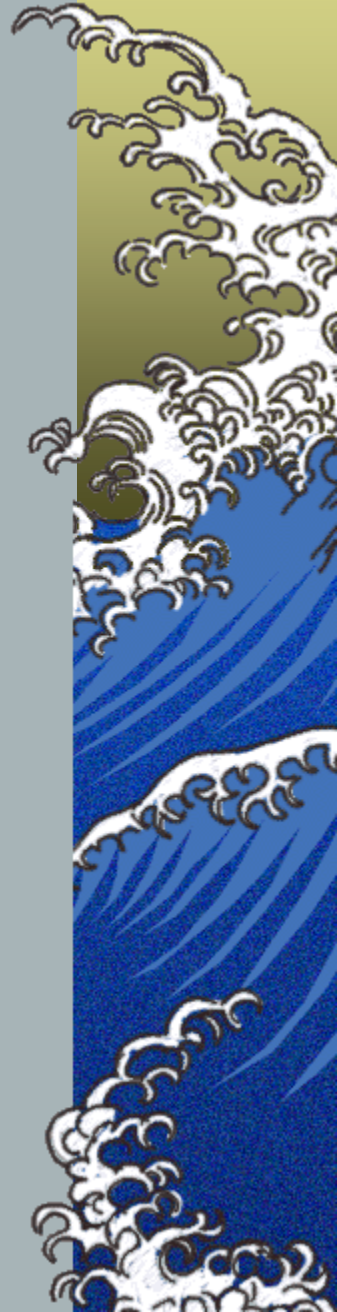
मानवाधिकारों के सिद्धांत और मूल्य

- ▶ समानता
- ▶ भेदभावहीनता
- ▶ सम्मान
- ▶ शारीरिक अखंडता
- ▶ आत्म-निर्णय
- ▶ संवेदनशीलता
- ▶ स्वतंत्रता



मानवाधिकारों का आधुनिक इतिहास

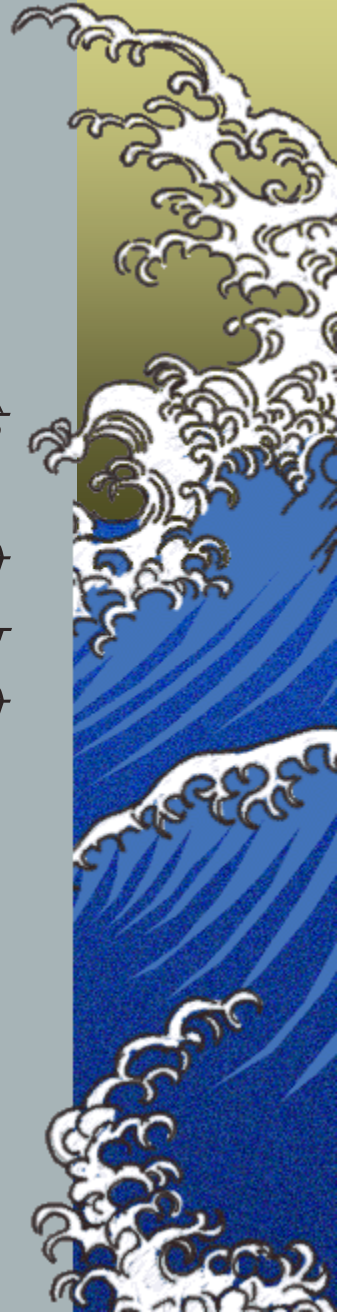
- ▶ मानवाधिकारों की सार्वभौम उद्घोषणा (1948)
- ▶ अंतर्राष्ट्रीय नागरिक एवं राजनैतिक अधिकार सम्मेलन
- ▶ अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक अधिकार सम्मेलन
- ▶ अधिकारों की तीसरी पीढ़ी(जनरे'।न)–सीडॉ, सी.आर.सी., नस्लीय भेदभाव आदि।



अन्य परिभाषा

▲ 'अधिकार' शब्द से क्या तात्पर्य है?

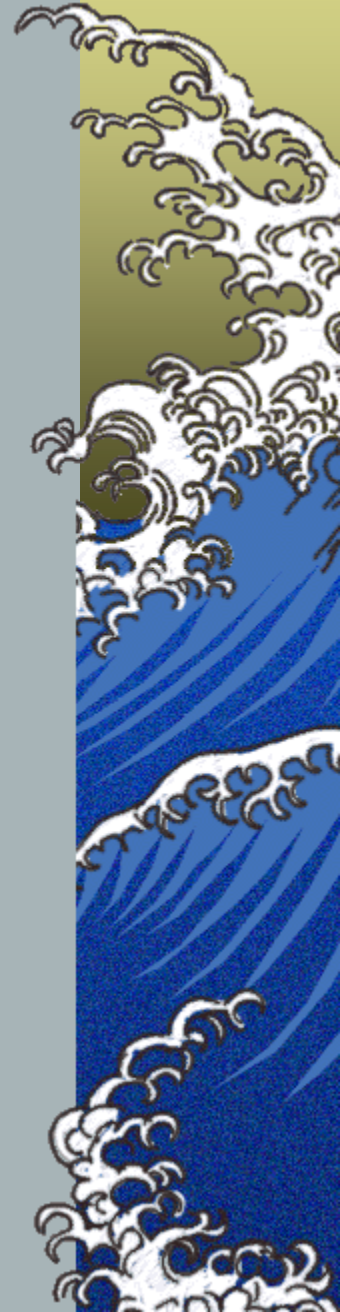
अधिकार एक पात्रता है जो तय "जुदा उद्दे" यपूर्ण मानकों के विरुद्ध व्यक्तियों के कसी विनिष्ट वर्ग (वर्गों) की खास चिंता, ज़रूरत और हित की खोज करती है, इस तरह से कि ऐसी ज़रूरतों और हितों का दावा और मांग की जा सके और यह किसी व्यक्ति के समुदाय अथवा उन मुद्दों पर सरकारी दृष्टिकोण की सीमाओं से परे होते हैं।



अधिकारों के स्रोत

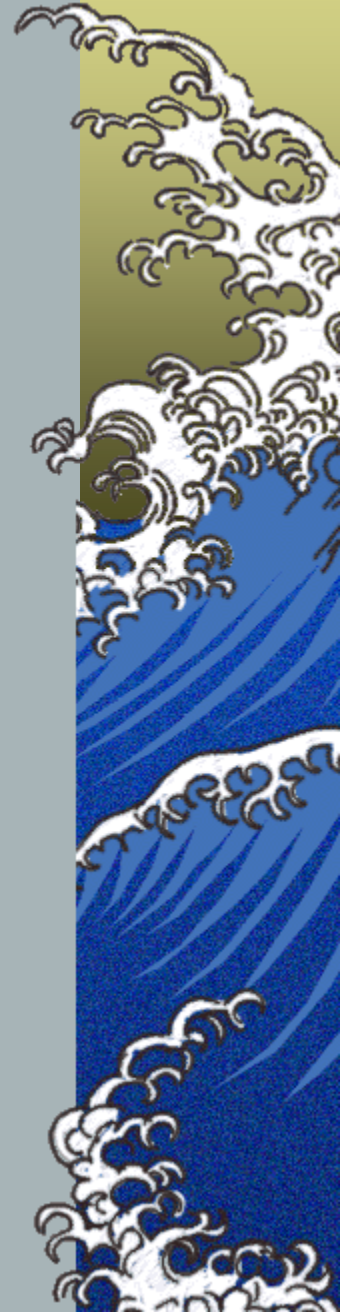
- ▲ देशों के संविधान
- ▲ राष्ट्रीय कानून
- ▲ अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सम्मेलन, संगोष्ठियां, समझौते,
- ▲ क्षेत्रीय मानवाधिकार सम्मेलन, चार्टर
- ▲ उद्घोषणाएं, विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय तथा यू.एन. सम्मेलनों पर कार्रवाई के कार्यक्रम
- ▲ समितियां जैसे सीडॉ

अधिकारों के ये स्रोत आमतौर पर उद्देश्यपूर्ण मानकों व्याख्यायित –अथवा प्रोत्साहित करते हैं।



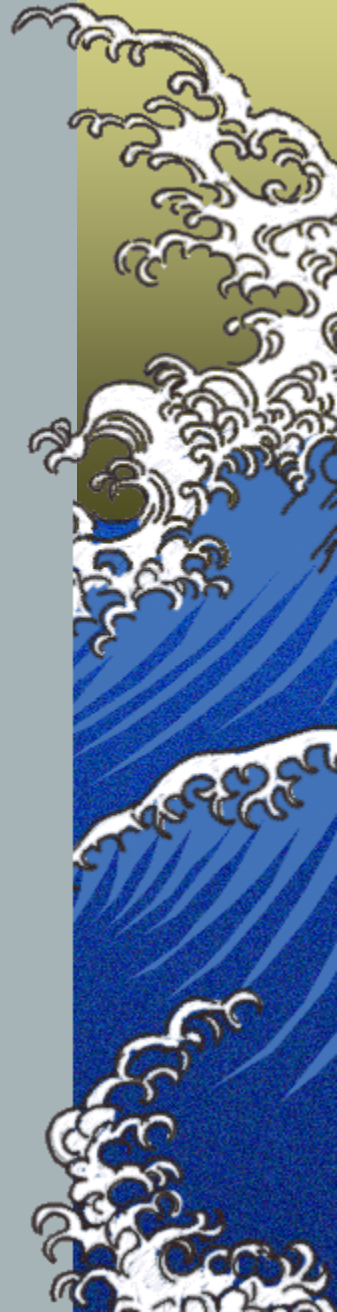
राज्य के उत्तरदायित्व

- ▶ **सम्मान देना:** अधिकारों के प्रयोग में कोई बाधा न उत्पन्न करना
- ▶ **संरक्षण करना:** तीसरे पक्षों द्वारा उल्लंघन के विरुद्ध संरक्षण
- ▶ **पूरा करना:** ऐसी समर्थ स्थितियां तैयार करना जिनमें अधिकारों को प्राप्त किया जा सके, जैसे— कानून, नीतियां, बजट



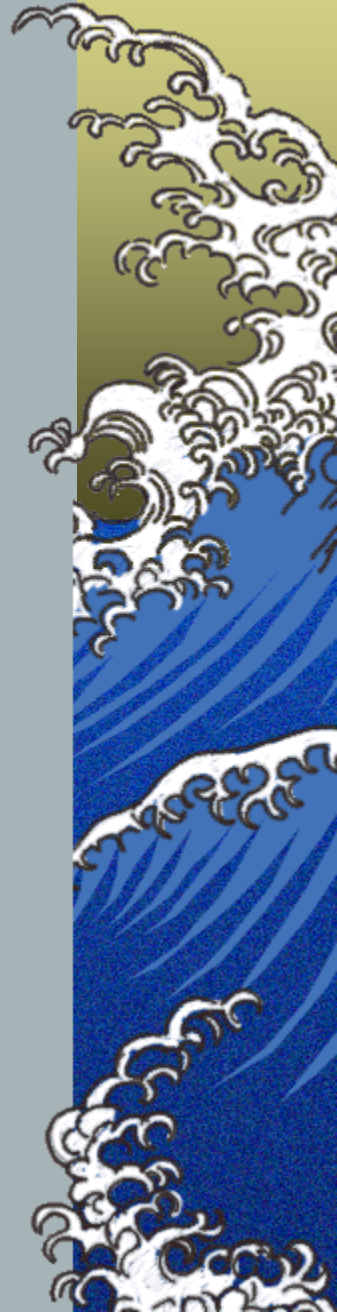
अंतर्राष्ट्रीय दस्तावेजों में स्वास्थ्य का अधिकार

- ▶ मानवाधिकारों की सार्वभौम उद्घोषणा, अनुच्छेद 25
- ▶ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मिलन, अनुच्छेद 7, 11 और 12
- ▶ महिलाओं के विरुद्ध सभी प्रकार के भेदभाव के उन्मूलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मिलन, अनुच्छेद 10, 12 और 14
- ▶ हर प्रकार के नस्लीय भेदभाव के अन्मूलन पर सम्मेलन, अनुच्छेद 5
- ▶ बाल अधिकार सम्मेलन, अनुच्छेद 24



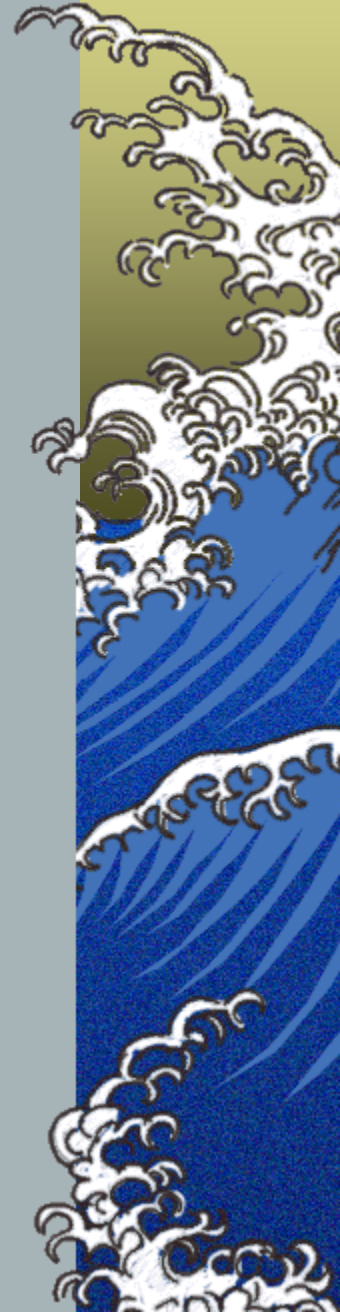
भारतीय संविधान

- ▶ मौलिक अधिकार स्वास्थ्य के अधिकार का वचन नहीं देते, यद्यपि कुछ विभिन्न अधिकारों की व्याख्या स्वास्थ्य के अधिकार के उल्लंघन के रूप में की जा सकती है।
- ▶ स्मानता का अधिकार, अनुच्छेद 15—भेदभाव का प्रतिषेध;
- ▶ स्वतंत्रता का अधिकार, अनुच्छेद 21—जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा



राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत

- ▶ राज्य नियोजन के लिए निर्देश देते हैं:
- ▶ अनुच्छेद 47— पोषण का स्तर, जीवन, जन स्वास्थ्य का मानक
- ▶ अनुच्छेद 39— बच्चों सहित श्रमिकों का स्वास्थ्य और ताकत
- ▶ अनुच्छेद 41— बेरोजगारी, बुढ़ापा, बीमारी, विकलांगता के मामले में सार्वजनिक सहायता का अधिकार।
- ▶ अनुच्छेद 42— काम करने मानवीय स्थितियां और मातृत्व लाभ



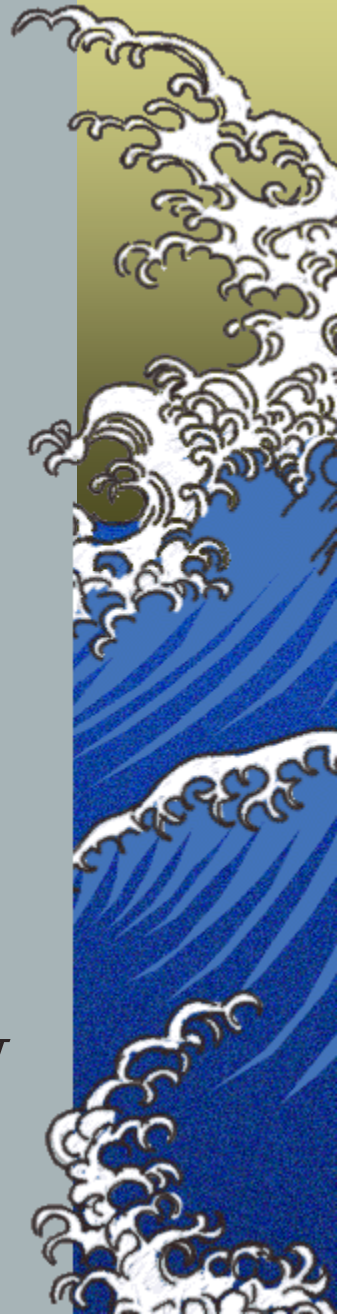
मानवाधिकार के रूप में स्वास्थ्य

▲ स्वास्थ्य का अधिकार

▲ भोजन का अधिकार, स्वस्थ पर्यावरण का अधिकार, समुचित आवास का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, काम करने का अधिकार और काम की जगह पर अधिकार, जीवन का अधिकार, सूचना का अधिकार, शारीरिक अखंडता का अधिकार

▲ स्वास्थ्य देखभाल का अधिकार

▲ सी.ई.एस.सी.आर. अनुच्छेद 12, स्वास्थ्य पर सामान्य टिप्पणी 14...स्वास्थ्य के सर्वोच्च प्राप्य मानक.... उपलब्धता, स्वीकार्यता, गुणवत्ता



स्वास्थ्य के उच्चतम प्राप्य मानक... अनुच्छेद 12

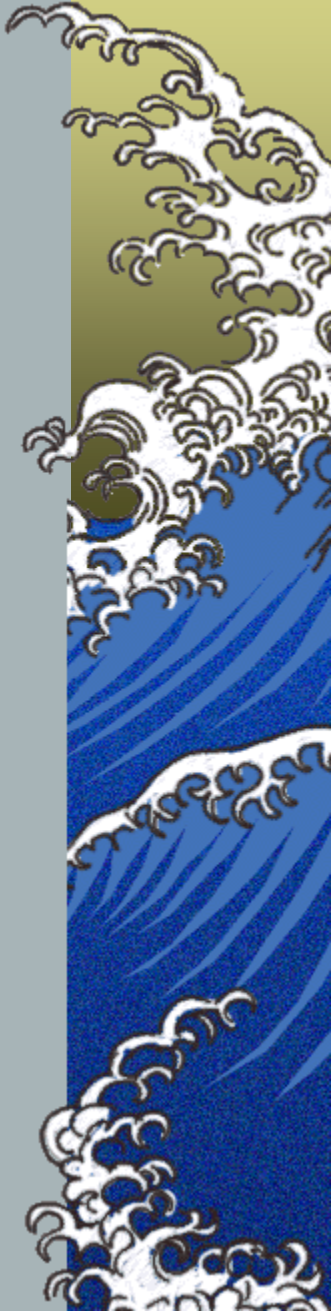
स्वास्थ्य पर सामान्य टिप्पणी 14

▲ उपलब्धता

- ▲ पर्याप्त मात्रा में सेवाएं, सुविधाएं, वस्तुएं, कार्यरत
- ▲ प्रशिक्षित अधिकारी
- ▲ अनिवार्य दवाईयां
- ▲ स्वास्थ्य के निर्धारक तत्व जैसे पानी, स्वच्छता आदि

▲ पहुंच

- ▲ भेदभाव—हीनता
- ▲ कमजोर समूहों (बुजुर्ग, दलित, विकलांगों सहित) के लिए भौतिक उपलब्धता
- ▲ आर्थिक पहुंच
- ▲ सूचना(गोपनीयता के साथ)

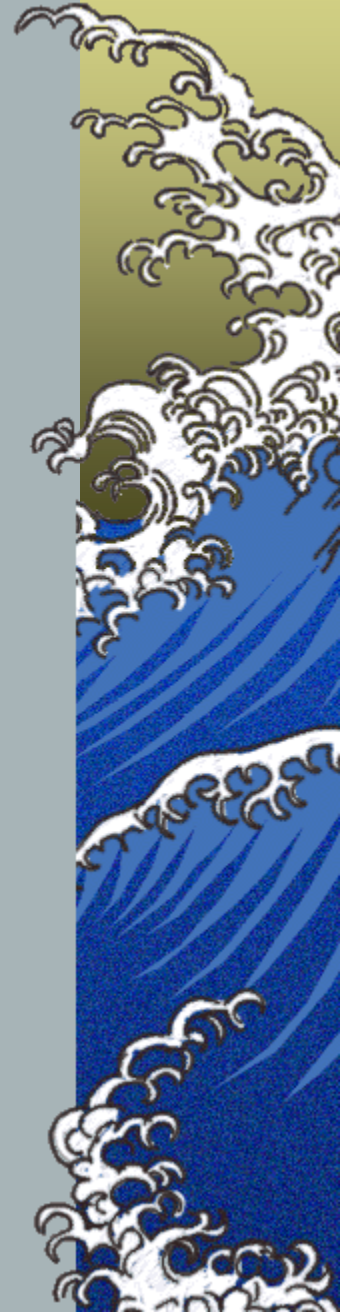


▲ स्वीकार्यता

- ▲ सांस्कृतिक रूप से समुचित (जीवन-चक्र, जेंडर, अल्पसंख्यक)
- ▲ चिकित्सकीय सिद्धांत

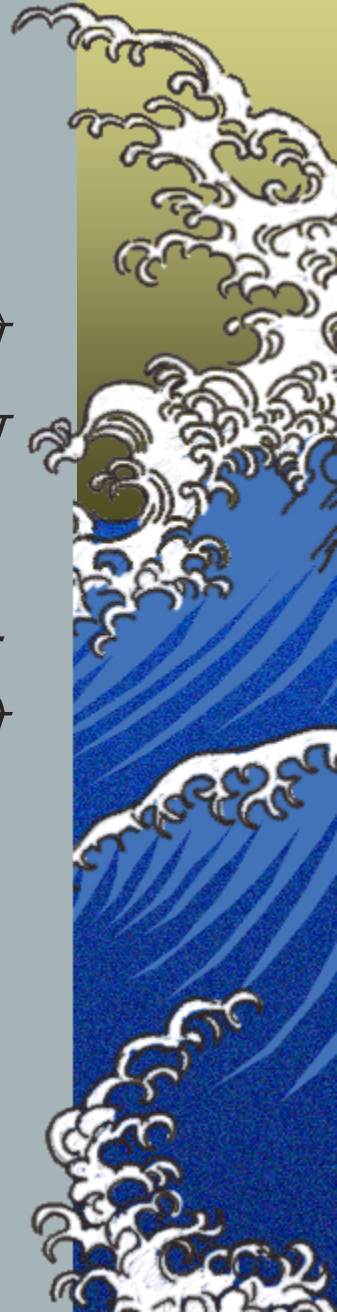
▲ गुणवत्ता

- ▲ वैज्ञानिक, चिकित्सकीय रूप से समुचित
- ▲ कुशल अधिकारी
- ▲ तार्किक, चालू (अनएक्सपायर्ड), अच्छी क्वालिटी की दवाइयां
- ▲ कीटाणुमुक्त प्रक्रियाएं
- ▲ सुरक्षित रक्त

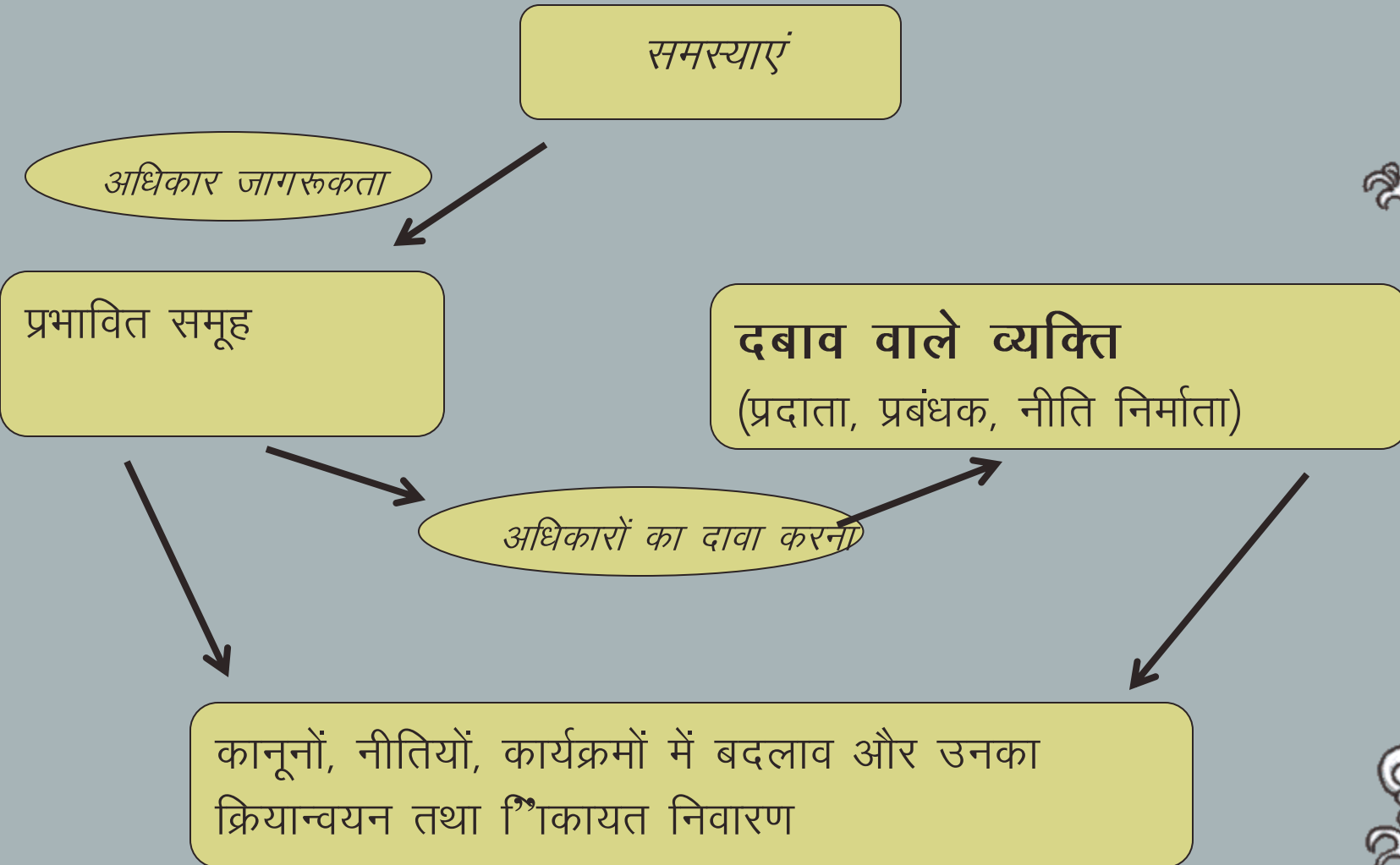


अधिकारवादी सोच

- ▶ सरकार को उसके दायित्वों के लिए उत्तरदायी ठहराने के प्रति अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संधियां तथा नियम और राष्ट्रीय कानून
- ▶ निगरानी, सामुदायिक शिक्षा और लामबंदी; मुकदमा; और नीति निर्माण सहित और भी कितनी ही पैरवी रणनीतियों में समावेशित किया जा सकता है।

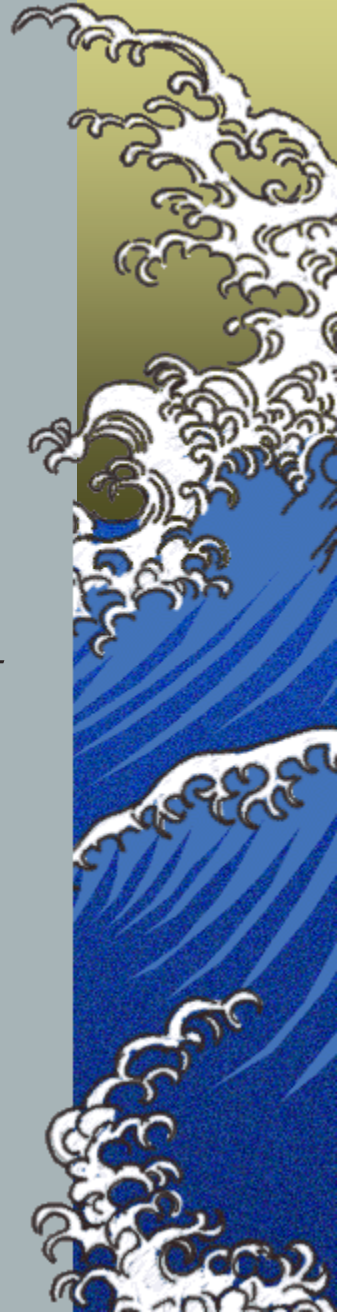


स्वास्थ्य का अधिकारवादी वि'लेषण



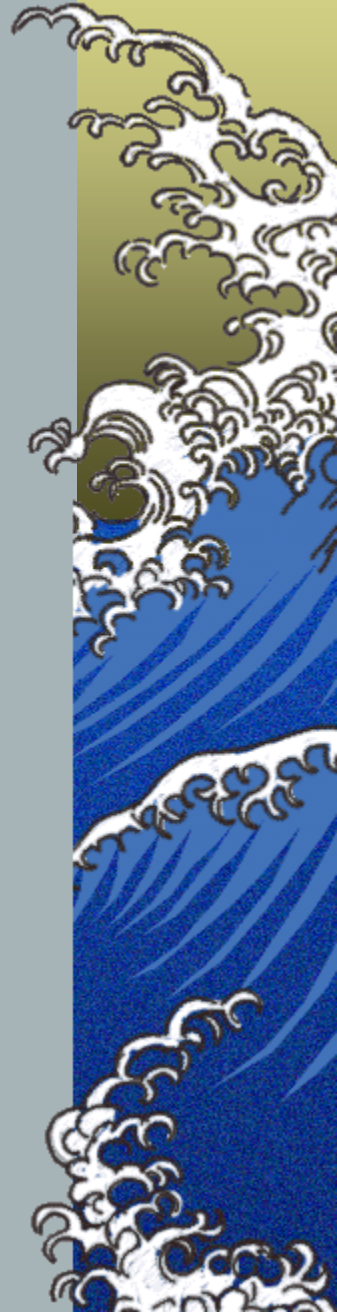
अधिकारवादी पद्धति—अभिनेता

- ▶ **अधिकार धारक**—समुदाय में महिलाएं तथा पुरुष, कमजोर और हाबिायाबद्ध समूह और व्यक्ति—जब वे अपने अधिकारों के प्रति सचेत होते हैं तो अधिकार दावाकर्ता बन जाते हैं।
- ▶ **कर्तव्य निर्वाहक**— सरकारी संस्थान और अधिकारी नीतियों तथा कार्यक्रमों के नियोजन, क्रियान्वयन और निगरानी के लिए उत्तरदायी होते हैं—इनमें नीति निर्माता और प्रदाता भी शामिल हैं।
- ▶ **अभिभावक संस्थान**— अदालतें, आयोग, लोकायुक्त (ऑम्बड्समैन), संगठन
- ▶ **मानवाधिकार पैरोकार**—कार्यकर्ता, गैरसरकारी संगठन, पैरवी समूह, मानवाधिकार संगठन



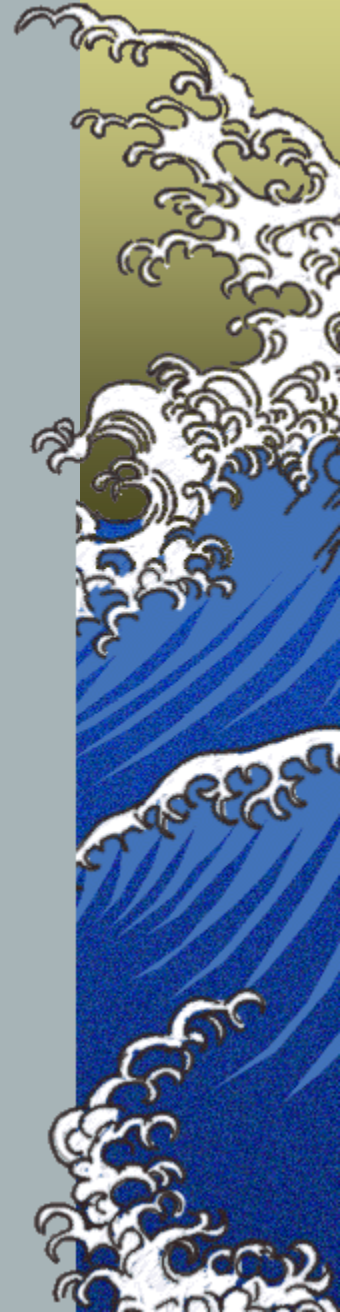
अधिकारवादी सोच

- ▲ ज़रूरतें और अधिकार?
- ▲ अधिकारवादी सोच स्वास्थ्य स्थिति को मानवाधिकार संदर्भों में देखती है।
- ▲ इसमें शामिल हैं
 - ▲ अधिकारों की जानकारी तथा उनकी स्रोत
 - ▲ अंतरों, उल्लंघनों की पहचान
 - ▲ अधिकारों के बारे में शिक्षा तथा जागरूकता
 - ▲ अधिकारों का दावा करना



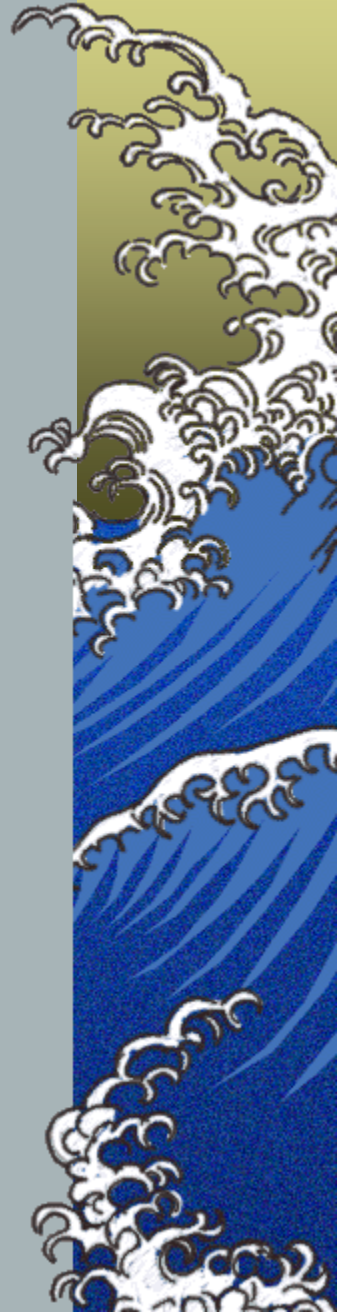
अधिकारवादी सोच सरकार की भूमिका

- ▶ कानूनी ढांचा तैयार करना—पुराने कानूनों को रद्द करना और नए कानून बनाना
- ▶ नई नीतियों और कार्यक्रमों का निर्माण
- ▶ प्रदाताओं का अधिकारवादी सोच के साथ प्रीक्षण
- ▶ एक जेंडर संवेदनशील सेवा आपूर्ति वातावरण तैयार करना।
- ▶ महिलाओं को शामिल करते हुए समुदाय आधारित नियोजन
- ▶ महिलाओं में नेतृत्व क्षमता का निर्माण
- ▶ उपचारात्मक मानकों का विकास
- ▶ नागरिक संहिता
- ▶ शिकायत निवारण तंत्र



अधिकारवादी सोच—मानवाधिकारवादी पैरोकारों की भूमिका

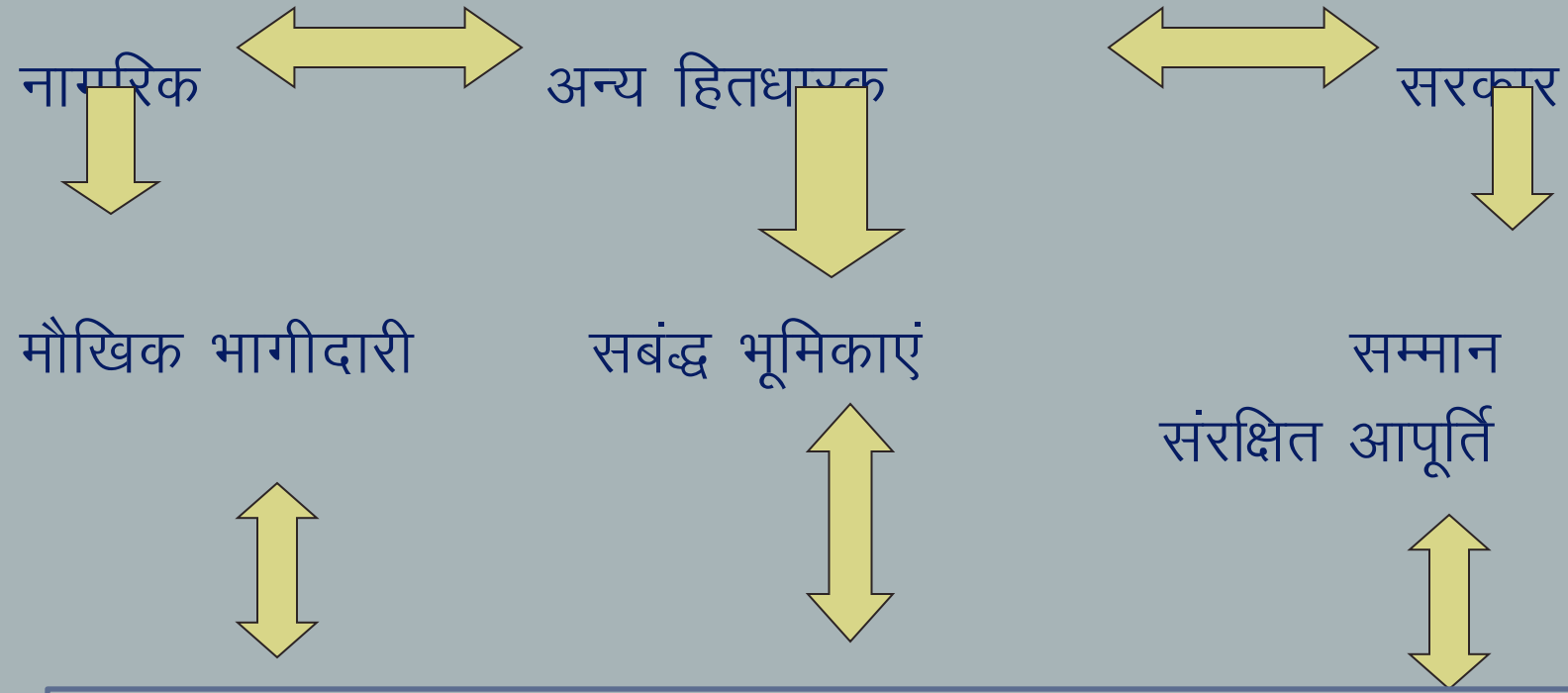
- ▶ अधिकार उल्लंघनों के बारे में अध्ययन
- ▶ केस कार्य
- ▶ समुदायों का अधिकार प्रीक्षण
- ▶ अभियानों के लिए समुदायों की लामबंदी
- ▶ सामाजिक परीक्षण(ऑडिट)
- ▶ नए कार्यक्रम मॉडल विकसित करना
- ▶ नीति निर्माताओं और प्रदाताओं का प्रीक्षण
- ▶ सफल प्रयोगों का दस्तावेजीकरण(डॉक्युमेंटे”ान)



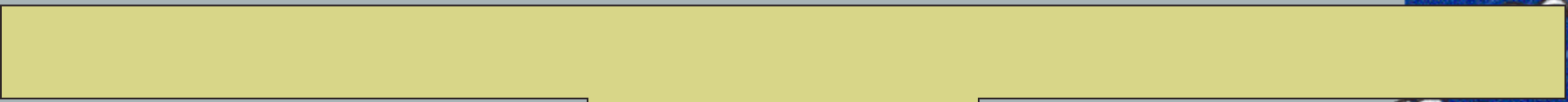
अभिभावक संस्थान: जैसे, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और राज्य मा.अ.आ.

- ▶ रस.मा.अ.आ. की स्वास्थ्य समिति
 - ▶ मानवाधिकारों के उल्लंघन के मुद्दों/मामलों पर सुनवाई करता है।
 - ▶ जांच-पड़ताल और फ़ैक्ट फ़ाइंडिंग मिशन स्थापित करता है।
 - ▶ राज्य सरकारों से स्पष्टीकरण मंगाता है
 - ▶ कुछ विशेष मुद्दों को उठाया है: जैसे अंग व्यापार, सिलिकॉसिस, मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों में बेहतर देखभाल, जनसंख्या नीति आदि।





कानून, नीतियां, जानकारी, सेवाएं, ससाधन, उत्तरदायित्व



उपलब्ध, प्राप्यता, स्वीकार्य, गुणवत्ता



Examples of the links between Health and Human Rights



स्वास्थ्य और मानवाधिकारों के बीच जुड़ाव के उदाहरण

ऊपरी लाइन—हानिकारक परंपरागत रीतियां, उत्पीड़न, दासता, महिलाओं एवं बच्चों के साथ हिंसा,

बीच का भाग—मानवाधिकार उल्लंघनों के कारण खराब—स्वास्थ्य, स्वास्थ्य और मानवाधिकार, स्वास्थ्य विकास के माध्यम से मानवाधिकारों को बढ़ावा अथवा उल्लंघन, मानवाधिकारों के माध्यम से खराब—स्वास्थ्य के खतरों को कम करना,

दाएं का हिस्सा—भागीदारी का अधिकार, भेदभाव से मुक्ति, सूचना का अधिकार, गोपनीयता का अधिकार,

बाएं का हिस्सा—स्वास्थ्य का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, भोजन और पोषण का अधिकार, भेदभाव से मुक्ति (**स्कैन मैटर** होने के कारण इस स्लाइड का डिज़ाइन तैयार करना होगा)

